दीनार टाइम्स

कानपुर न्यूज

कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का ट्रायल शुरू

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

Sign in to edit and save changes to this file.

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

कानपुर, मंगलवार
21 नवम्बर, 2023
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष 9,
सं. 2080 वि.
वर्ष 35, अंक 93 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

web portal : swatantrabharat.net

गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

स्वतंत्र भारत संवाददाताकानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 2 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15 से 18 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित हैए जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैंए देख कर सीखोए व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शनए एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फप्रजाति के सही चयन से उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़ जाता है।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

लखनऊ एवं एटा से प्रकाशित, मंगलवार, 21 नवंबर 2023 RNI-No. UPHIN/2007/20715 पेज

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

रहस्य संदेश-अनवर अशरफ

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

वर्ष-17 अंक-25 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

www.nagarchhaya.com

7 छोटे पर्दे ने टीवी एक्टर्स के सपनों को हकीकत में बदला है!

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेख आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

कानपुर, मंगलवार 21 नवंबर-2023 पृष्ठ -8

गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं। गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

कोरोना काल में सोता नहीं था: पीएम मोदी 12

यूपी में पांच सालों में 18 लाख से अधिक लोगों को... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 40
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 21 नवंबर, 2023

कृषि विज्ञान केंद्र लगाएगा गेहूं की 15 प्रजातियों वाली क्रॉप कैफेटेरिया

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर सोमवार को गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ.राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल होने के साथ लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि जलवायु एवं मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण के लिए कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं। देख कर सीखो व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों के प्रदर्शन एवं उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

WORLD खबर एक्सप्रेस
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
Daily evening paper
सोमवार 20 नवंबर, 2023 अंक - 101

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, मंगलवार, 21 नवम्बर 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

दि ग्राम टुडे , कानपुर ।

(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की

परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।

अंक-253 कानपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कृषि विज्ञान केंद्र पर गेहूं की विभिन्न फसलों का लगाया गया परीक्षण

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण लगाया गया। डॉ राजेश राय ने बताया कि गेहूँ विश्वव्यापी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फ़सल है। यह लोगों का मुख्य खाद्य है। उन्होंने बताया कि विश्व के सभी प्रायद्वीपों में गेहूँ उगाया जाता है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के लिए गेहूँ लगभग 20 प्रतिशत आहार कैलोरी की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में लगभग 15000 से 18000 हेक्टेयर भूमि ऊसर प्रभावित है, जबकि किसान जानकारी के अभाव में ऐसी प्रजातियों का चयन कर लेते हैं जो ऊसर भूमियों के लिए सहनशील नही होती जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गेहूं की 15 प्रजातियों का जलवायु एवम मृदा की उपयुक्तता के परीक्षण करने हेतु गेहूं की क्रॉप कैफेटारिया लगाई जा रही हैं, देख कर सीखो, व कर के सीखो की परिकल्पना को साकार करते किसान यंहा प्रजातियों का प्रदर्शन, एवम उत्पादन के आधार पर देख कर कर उपयुक्त प्रजाति चयन कर लाभ ले सकते हैं । गेहूं के उत्पादन में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है कानपुर देहात में भी गेहूं रबी में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली फसल है ऐसे में सिर्फ प्रजाति के सही चयन से उत्पादन 20-30 प्रतिशत बढ़ जाता है।